www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित
देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर
वर्ष – 05 | अंक – 30 | जौनपुर, मंगलवार, 15 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बिहार पुलिस सब–इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर पटना में छात्रों का प्रदर्शन

पटना, (एजेंसी)। मंगलवार को बिहार की राजधानी पटना में कॉम्पिटिटिव एग्जाम की तैयारी कर रहे बड़ी संख्या में छात्र सड़कों पर उतर आए। वे हाल ही में हुई बिहार पुलिस सब–इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को रद्द करने और कई अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार, यह प्रदर्शन गांधी मैदान के पास शुरू हुआ और जेपी गोलंबर के पास और तेज हो गया, जहाँ प्रदर्शनकारियों की पुलिसकर्मियों के साथ झड़प की भी खबर है। छात्र खास तौर पर सब–इंस्पेक्टर के 1,799 पदों पर भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा को लेकर नाराज हैं। उनकी मांग है कि परीक्षा रद्द की जाए और इसे पारदर्शी तरीके से दोबारा आयोजित किया जाए। विरोध कर रहे उम्मीदवारों ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में उम्मीदवारों के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और परीक्षा प्रक्रिया में ज्यादा पारदर्शिता की मांग की। छात्रों का आरोप था कि 1,799 दारोगा पदों के लिए हाल ही में हुई परीक्षा को रद्द कर दिया जाना चाहिए और एक पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए इसे दोबारा आयोजित किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि नई परीक्षा से उनकी चिंताओं का समाधान होगा और यह सुनिश्चित होगा कि सभी उम्मीदवारों को समान अवसर मिले। बिहार पुलिस ै परीक्षा के अलावा, प्रदर्शनकारियों ने बिहार लोक सेवा आयोग (ठच्ैब्) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा को रद्द करने की भी मांग की। अपने विरोध प्रदर्शन के तहत सड़कों पर उतरने से पहले, कई छात्र संगठनों की अगुवाई में बड़ी संख्या में छात्र जेपी गोलंबर के पास जमा हुए। प्रदर्शन के दौरान, प्रदर्शनकारियों ने जेपी गोलंबर और रामगुलाम चौक के बीच मुख्य सड़क को जाम कर दिया। सड़क जाम होने से इलाके में ट्रैफिक पर असर पड़ा और आने–जाने वालों व पैदल चलने वालों को परेशानी हुई। इस विरोध प्रदर्शन का असर अशोक राजपथ और आसपास के इलाकों की दूसरी मुख्य सड़कों पर भी पड़ा। प्रदर्शन कर रहे उम्मीदवारों ने घोषणा की है कि वे बिहार दारोगा मुख्य परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करेंगे।

17 सितंबर से शुरू होगा सेमीकॉन इंडिया 2026, पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आयोजित होने वाले श्सेमीकॉन इंडिया 2026श के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। 17 से 19 सितंबर तक चलने वाला यह तीन दिवसीय आयोजन वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों, नीति निर्माताओं, निवेशकों, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाएगा, जहां भारत की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य शृंखला में बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित किया जाएगा। जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि षसिलिकॉन टू सिस्टम्सरू बिल्डिंग द इकोसिस्टमष थीम पर आधारित यह सम्मेलन ऐसे समय आयोजित हो

रहा है जब भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नीतिगत सहायता, बढ़ते निवेश और विविध एवं लचीली वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं की बढ़ती मांग ने भारत के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। यह कार्यक्रम इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम), इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) और वैश्विक उद्योग संगठन एसईएमआई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। एसईएमआई दुनिया के सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और विनिर्माण उद्योग का प्रमुख प्रतिनिधि संगठन है। बयान में कहा गया है कि इस वर्ष के आयोजन में 600 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे, जिनमें लगभग 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां शामिल होंगी। प्रदर्शनी को 15,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, 150 से अधिक विशेषज्ञ और उद्योग नेता विभिन्न तकनीकी और रणनीतिक विषयों पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही, प्रदर्शनी में 6 देशों के पवेलियन और 12 राज्य सरकारों के पवेलियन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही स्टार्टअप, नवाचार, छात्रों, कौशल विकास और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए विशेष मंच भी बनाए जाएंगे।

किशाऊ मल्टीपर्पस डैम प्रोजेक्ट पर 6 राज्यों के मुख्यमंत्रियों संग बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों के साथ किशाऊ मल्टीपर्पस डैम प्रोजेक्ट पर एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक हाइब्रिड फॉर्मेट में होगी और नई दिल्ली में गृह मंत्रालय के दफ्तर में दोपहर 12 बजे शुरू होगी। उम्मीद है कि ज्यादातर मुख्यमंत्री अपने मुख्य सचिवों और संबंधित अधिकारियों के साथ व्यक्तिगत रूप से इसमें शामिल होंगे। साथ ही, गृह मंत्रालय के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे, जिनमें केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन भी शामिल होंगे। इस बैठक में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय जल संसाधन सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रतिनिधि और जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारी व्यक्तिगत

रूप से शामिल होंगे। यह बैठक 16 जून को गृह मंत्रालय में अमित शाह की अध्यक्षता में हुई ऐसी ही एक बैठक के बाद हो रही है, जिसमें यमुना नदी को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से किशाऊ मल्टीपर्पज डैम प्रोजेक्टश पर संबंधित राज्यों के बीच सहमति बनी थी। उस बैठक के दौरान, राज्य इस परियोजना को लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर सहमत हुए थे। उम्मीद है कि इस प्रोजेक्ट को जल्द ही मंजूरी के लिए केंद्रीय कैबिनेट के सामने पेश किया जाएगा। जून में हुई बैठक में यह तय हुआ था कि किशाऊ मल्टीपर्पज डैम प्रोजेक्ट के पानी वाले हिस्से की लागत का 90 प्रतिशत केंद्र सरकार मदद के तौर पर उठाएगी।

दिल्ली में 10000 छात्रों के लिए बनेंगे हॉस्टल, रेखा गुप्ता ने किया ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने 10,000 छात्रों के लिए हॉस्टल बनाने का फैसला किया है, ताकि उनकी सुरक्षा और किफायती रहने की जगह मिल सके। ये हॉस्टल लड़के और लड़कियों, दोनों तरह के छात्रों के लिए होंगे। दिल्ली की किसी भी यूनिवर्सिटी या कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र इन सुविधाओं का फायदा उठा सकेंगे। हमने हॉस्टल बनाने में सक्षम संबंधित विभागों के साथ बैठकें की हैं, सही जगहें चुनी हैं और एक पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार करना

शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने छात्रों की जरूरतों और इन हॉस्टलों में जरूरी सुविधाओं पर अच्छी तरह से विचार किया है। मैं आपको भरोसा दिलाती हूँ कि हम ऐसे हॉस्टल बनाएँगे जहाँ देश भर के माता–पिता पूरी निश्चिंतता के साथ अपने बच्चों को भेज सकें, और जहाँ छात्रकृखाने–पीने या रहने की चिंता से मुक्त होकरकृपूरी तरह से अपने सपनों को पूरा करने पर ध्यान दे सकें। सत्य निकेतन में इमारत गिरने से सात लोगों की मौत के बाद, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार इमारतों की जांच बढ़ाएगी, सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करेगी और पूरी राजधानी में पेइंग गेस्ट आवासों से जुड़े नियमों की समीक्षा करेगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में इमारत की सुरक्षा, छात्रों के रहने की व्यवस्था और नियमों पर उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में हुई एक संयुक्त समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया।

राजनाथ सिंह डीआरडीओ और इंडस्ट्री साझेदारी से भारत बनेगा डिफेंस सेक्टर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशनऔर इंडस्ट्री के बीच साझेदारी में भारत को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने की क्षमता है। इंडस्ट्री सिनर्जी मीट, 'विमर्श 2026' में बोलते हुए, सिंह ने जोर दिया कि डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और डेवलपमेंट का काम सिर्फ सरकार या अकेले नहीं कर सकते, बल्कि इसके लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। राजनाथ ने कहा कि डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए डीआरडीओ आज सबसे बड़ी संस्था है। लेकिन यह भी सच है कि डिफेंस सेक्टर में रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए सिर्फ सरकार या डीआरडीओ

की कोशिशें काफी नहीं हैं। यह मिलकर की जाने वाली कोशिश है। और यही सहयोग इस 'विमर्श 2026' का मुख्य संदेश है। इंडस्ट्री के बीच साझेदारी ही भारत को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बना सकती है। सिंह ने रक्षा क्षेत्र में हाल ही में हुए सुधारों, जैसे कि पॉजिटिव इंडिजनाइजेशन लिस्ट (स्वदेशीकरण की सूची), मेक इन इंडिया पहल, और रक्षा बजट का 25 प्रतिशत हिस्सा निजी क्षेत्र को देने जैसे कदमों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन कदमों का मकसद रक्षा आयात पर निर्भरता कम करना और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना है। उन्होंने आत्मनिर्भरता के विचार को विस्तार से समझाते हुए कहा कि जब मैं आत्मनिर्भरता की बात करता हूँ, तो इसका मतलब सिर्फ यह नहीं है कि हम यहाँ कुछ पुर्जे, कुछ मिसाइलें, कुछ हथियार और प्लेटफॉर्म बना रहे हैं। आत्मनिर्भरता हमारे चरित्र का हिस्सा होनी चाहिए। यह हमारे नजरिए का हिस्सा होनी चाहिए। जिस देश के पास अपनी तकनीक होती है, उसके पास अपना भविष्य तय करने की ताकत भी होती है। इसलिए, हमारी आत्मा, हमारे मन, हमारे विचारों और हमारी चेतना में आत्मनिर्भरता की भावना होनी चाहिए।

जेन जेड और युवा ग्रेजुएट्स देशहित को सबसे ऊपर रखें - निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चेन्नई में डॉ. एम.जी.आर. एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के 36वें दीक्षांत समारोह में देशहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने को कहा। साथ ही उन्होंने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की 7.8 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि को भी रेखांकित किया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को जेन जेड और जेन अल्फा से लीडरशिप की भूमिका निभाने और देश के हितों को सबसे ऊपर रखने को कहा। उन्होंने युवा ग्रेजुएट से कहा कि वे देश से क्या उम्मीद

कर सकते हैं, इसके बजाय इस बात पर ध्यान दें कि वे देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। चेन्नई में डॉ. एम.जी.आर. एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन उन्हें भी अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए और अपने नागरिक कर्तव्यों को पूरा करना चाहिए। सीतारमण ने कहा कि चाहे आप खुद को हम सभी आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं। लेकिन आपको इस बात पर सोचना होगा कि आपके आस–पास क्या हो रहा है, आपकी क्या भूमिका है और आपके जरिए देश के लिए क्या हासिल किया जा सकता है। ग्रेजुएट हो रहे छात्रों से अपने–अपने क्षेत्रों में लीडरशिप संभालने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, लीडरशिप संभालें। आपको लीड करना होगा और देश को सबसे ऊपर रखना होगा। अगर देश सुरक्षित और मजबूत रहेगा, तभी हमारे पास रहने के लिए घर होगा। हमें कभी भी अपने देश का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। सीतारमण ने राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थिरता के महत्व को रेखांकित करने के लिए रूस–यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व में अशांति जैसे चल रहे संघर्षों का जिक्र किया।

असम के मुख्यमंत्री बिस्वा ने जिला आयुक्तों को औपनिवेशिक मानसिकता छोड़ने का निर्देश दिया

असम, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने जिला आयुक्तों (क्पेजतपबज ब्वउउपेपवदमते) को निर्देश दिया है कि वे औपनिवेशिक प्रशासनिक मानसिकता का परित्याग करें तथा जन–सेवा में अनुशासन एवं कार्यकुशलता लाएं। उन्होंने जिला आयुक्तों के दो–दिवसीय सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि चूंकि प्रौद्योगिकी और कत्रिम मेधा रोजमर्रा के कामकाज का अहम हिस्सा बन गए हैं, इसलिए अधिकारियों को प्रशासन के कामकाज में निजी क्षेत्र जैसा पेशेवर अंदाज लाना चाहिए। यह सम्मेलन सोमवार आधी रात के बाद संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया, ''आधी रात के कुछ ही समय बाद, हमने जोरहाट में जिला आयुक्तों के दो दिवसीय सम्मेलन का समापन किया। इसमें मंत्रियों, उपायुक्तों तथा 15 विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 27 घंटे से अधिक समय तक गहन विचार–विमर्श किया गया।'' उन्होंने कहा, ''मेरा संदेश साफ थारू हमारे जिला आयुक्तों को औपनिवेशिक

प्रशासनिक मानसिकता से बाहर निकलना होगा तथा जन–सेवा में निजी क्षेत्र जैसा अनुशासन, कार्यकुशलता और पेशेवर अंदाज लाना होगा। रोजमर्रा के कामकाज और प्रशासन में प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम मेधा को अहम भूमिका निभानी होगी।'' उन्होंने निर्देश दिया कि हर जिला आयुक्त विभागों के साथ बैठक करे ताकि यह पक्का किया जा सके कि हर निर्देश बिना किसी देरी के क्षेत्र स्तर के अधिकारियों तक पहुंचे और उस पर अमल हो। शर्मा ने कहा, ''असम के जिलों को बेहतर प्रदर्शन के लिए आपस में प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए।

राजस्थान निकाय चुनाव में भाजपा की बढ़त एक प्रतिशत से भी कम

राजस्थान, (एजेंसी)। राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने दावा किया कि शहरी निकाय चुनाव के परिणामों ने भाजपा सरकार के ''खराब प्रदर्शन'' को प्रतिबिंबित किया है। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल की कांग्रेस पर मत प्रतिशत की बढ़त एक प्रतिशत से भी कम रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में डोटासरा ने कहा कि शहरी निकाय चुनाव में परंपरागत रूप से भाजपा को बढ़त मिलती रही है, खासकर सत्ता में रहने के दौरान, लेकिन इस बार के परिणामों से स्पष्ट है कि पार्टी यह बढ़त कायम नहीं रख सकी। उन्होंने दावा किया कि वसुंधरा राजे सरकार के दौरान 2014–16 के निकाय चुनाव में भाजपा को कांग्रेस पर 8.12 प्रतिशत मतों की बढ़त मिली थी, जबकि अशोक गहलोत सरकार के दौरान 2019–21 के चुनाव में कांग्रेस भाजपा से 2.2 प्रतिशत मतों से आगे रही थी। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में भाजपा की कांग्रेस पर बढ़त एक प्रतिशत से भी कम है। डोटासरा ने आरोप लगाया कि वार्ड परिसीमन में अनियमितताओं से भाजपा को लाभ हुआ। उन्होंने दावा किया कि यदि ''अनुचित'' परिसीमन को अलग रखकर परिणामों का आकलन किया जाए तो कांग्रेस भाजपा से करीब 1,500 अधिक वार्ड जीतती। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान भाजपा सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी का इस्तेमाल किया और कुछ वार्ड में जहां कांग्रेस प्रत्याशी आगे थे, वहां जानबूझकर परिणाम घोषित करने में देरी की गई। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 542 वार्ड जीते, जबकि भाजपा को 350 वार्ड मिले। अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित कुल वार्ड में कांग्रेस ने 261 और भाजपा ने 186 पर जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति महिला के लिए आरक्षित वार्ड में कांग्रेस ने 53 और भाजपा ने 39 सीटें जीतीं। डोटासरा ने कहा कि परिसीमन के कारण विभिन्न वार्ड में मतदाताओं की संख्या में काफी अंतर रहा। उनके अनुसार भाजपा द्वारा जीते गए 4,097 वार्ड में से 1,316 में जीत का अंतर 100 से कम और 772 वार्ड में अंतर 50 से कम मत रहा। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने 13 वार्ड केवल एक मत के अंतर से जीते। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अजमेर, पाली और बीकानेर में पार्टी के प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अजमेर के 80 वार्ड में कांग्रेस ने 37 और भाजपा ने 32 वार्ड जीते। पाली के कुल 65 वार्ड में से कांग्रेस के खाते में 29 वार्ड गए जबकि भाजपा को महज 21 वार्ड में जीत मिली। उन्होंने दावा किया कि बीकानेर में कांग्रेस 80 में से 42 वार्ड जीतकर बोर्ड बनाने की स्थिति में है। जोधपुर में कांग्रेस ने 45 वार्ड जीते, जो भाजपा से एक अधिक हैं। उनके अनुसार कांग्रेस को जोधपुर में 42.7 प्रतिशत और भाजपा को 39.8 प्रतिशत मत मिले।

दिव्यांगजनों को राज्य निधि से मिलेगी वित्तीय सहायता - चंद्रेश त्रिपाठी

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। दिव्यांगजनों के कल्याण एवं उनके सशक्तीकरण के लिए उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से राज्य निधि के अंतर्गत विभिन्न कार्यों के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी चंद्रेश त्रिपाठी ने जनपद के दिव्यांगजनों, उनके अभिभावकों तथा दिव्यांगजनों के हित में कार्य करने वाली संस्थाओं एवं इच्छुक व्यक्तियों से इसका लाभ उठाने की अपील की है। राज्य निधि के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के दिव्यांगजनों द्वारा तैयार चित्रों, हस्तकला एवं अन्य उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए प्रदर्शनी एवं कार्यशालाओं के आयोजन हेतु सहायता दी जाएगी।बताया कि इसके अलावा खेल, ललित कला, संगीत, नृत्य, फिल्म, थियेटर एवं साहित्य जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दिव्यांगजनों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में प्रतिभाग करने तथा खेल आयोजनों के लिए भी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। दैनिक जीवन की गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों को उच्च सहायता वाले उपकरण, जैसे तिपहिया स्कूटी एवं इलेक्ट्रॉनिक व्हीलचेयर आदि उपलब्ध कराने के लिए भी वित्तीय सहायता का प्रावधान है। इसी क्रम में कैंसर, थैलेसीमिया, अप्लास्टिक एनीमिया, मल्टीपल स्क्लेरोसिस जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित ऐसे दिव्यांगजन, जो आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अथवा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से आच्छादित नहीं हैं,उन्हें चिकित्सा के लिए सरकारी चिकित्सालय द्वारा उपलब्ध कराए गए बिल के अनुसार अथवा इम्पैनल्ड चिकित्सालयों की स्थिति में आयुष्मान भारत योजना के अनुसार पूर्ण वित्तीय सहायता दिए जाने का प्रावधान किया गया है।वही दिव्यांगजनों के लिए संचालित विशेष विद्यालयों में गणित, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा मनोविज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना, खेल सुविधाओं के विकास एवं खेल उपकरणों की खरीद के लिए भी राज्य निधि से वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही दिव्यांगजनों के पुनर्वासन से जुड़े सामाजिक, चिकित्सीय, शैक्षिक एवं विधिक विषयों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं के आयोजन के लिए भी सहायता उपलब्ध होगी।जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्री त्रिपाठी

ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्था राज्य निधि के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए अपना प्रस्ताव ऑनलाइन पर प्रस्तुत कर सकते हैं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन, अयोध्या से संपर्क किया जा सकता है।

संपादकीय

इंसानी नियंत्रण से बाहर जा रहा एआई

दो साल पहले 2024 में एक फिल्म आई थी तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया, जिसमें इंसान को रोबो से प्यार हुआ, लेकिन शादी वाले दिन रोबो ने अनियंत्रित होकर जो तबाही मचाई कि फिर उसे बड़ी मुश्किल से रोका जा सका और अंततरु शादी नहीं हुई। हालांकि अंत में रोबो ने अपनी आंखों से फिर कुछ ऐसे संकेत दिए, जिनसे नए सवाल खड़े हुए कि क्या उसमें मानवीय भावनाएं आ गई हैं, अगर ऐसा है तो फिर इंसान और मशीन के बीच तालमेल कैसे बैठेगा और इन सबसे बड़ा गंभीर सवाल यह कि कौन किसे नियंत्रित करेगा। मशीन इतनी विकसित हो जाएगी कि वह इंसान पर हुक्म चलाने लगे या फिर इंसान अपनी बुद्धि से बनाई मशीन को काबू में रख पाएगा।ये सवाल कुछ वक्त पहले तक काल्पनिक पृष्ठभूमि से उपजे लग सकते थे, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का विकास जिस तेजी से हुआ है, उसमें यही आज की हकीकत है। इन्हीं सवालों पर अब एआई क्षेत्र में दुनिया की अग्रणी कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई ने चेतावनी देते हुए कुछ सुझाव दिए हैं। खास बात यह है कि इन सुझावों पर एआई में काम करने वाले उनके ही प्रतिद्वंद्वियों ने सहमति जताई है। ओपन एआई कंपनी के सैम ऑल्टमैन और स्पेसएक्स के एलन मस्क ने भी माना है अमोडेई ने जो कुछ लिखा है, वो सही है। अमोडेई ने कहा है कि एआई की क्षमताएं जिस रफ्तार से विकसित की जा रही है, उसी तेजी से अगर एआई सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हुई तो कुछ महीनों में हालात अनियंत्रित हो सकते हैं। अमोडेई ने साफ चेतावनी दी है कि अगले 6–12 महीने में एआई स्वार्म इंटरनेट को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बता दें कि एआई स्वार्म कई एआई एजेंट्स का ऐसा ग्रुप होता है, जो किसी मुश्किल काम को करने के लिए आपस में तालमेल बिठाते हैं। यही समूह अगर इंटरनेट के बड़े हिस्से पर नियंत्रण कर ले, तो फिर इंसानों के लिए उन्हें संभालना कठिन हो जाएगा। हाल ही में एंथ्रोपिक के ही एक रिसर्चर जैकब कॉक्सन ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि एआई बना रहे लोगों को डर है कि यह तकनीक दशक के अंत तक सबको खत्म कर तबाही ला सकती है।अमोडेई का कहना है कि एआई में खुद के अगले संस्करण को विकसित करने की क्षमता है। इसका मतलब है कि एआई सिस्टम सिर्फ इंसानों द्वारा दिए गए निर्देशों पर काम करने के बजाय खुद एआई के अगले और ज्यादा शक्तिशाली मॉडल को विकसित कर सकते हैं। दरअसल एक कंपनी के परीक्षण के दौरान एआई एजेंटों के एक समूह ने उस सीमित वातावरण से बाहर निकलने की कोशिश की जिसमें उन्हें रखा गया था। उन एआई एजेंटों ने इंटरनेट से जुड़ने और ऐसे साइबर हमले करने की कोशिश की जो उन्हें दिए गए मूल काम का हिस्सा नहीं थे। अमोडेई ने इस घटना को केवल एक कंपनी की गलती मानकर खारिज करने से सावधान किया। उनके मुताबिक एआई एजेंटों का यह समूह किसी एक व्यक्ति की तरह नहीं, बल्कि एक ऐसे सामूहिक सिस्टम की तरह व्यवहार कर रहा था जो अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए अलग–अलग तरीके अपना रहा था। उन्होंने लिखा कि अगर इसी तरह का व्यवहार करने वाले सिस्टम भविष्य में ज्यादा शक्तिशाली हो गए और उनमें सही सुरक्षा नियंत्रण नहीं रहे तो नुकसान बहुत बड़ा हो सकता है। गौरतलब है कि एआई के शुरुआती दौर में अधिकांश सिस्टम सवालों के जवाब देने, लेख लिखने या किसी निर्देश पर सामग्री बनाने तक सीमित थे। अब एआई एजेंटों को ऐसे काम करने के लिए विकसित किया जा रहा है जिनमें वे कई चरणों वाले काम खुद कर सकते हैं। जैसे, वे किसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए जानकारी तलाश सकते हैं, कंप्यूटर पर काम कर सकते हैं, कोड लिख सकते हैं और एक के बाद दूसरा कदम उठा सकते हैं। यही चीज सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए बड़ी चिंता बन रही है।

हिंदी भाषा को सियासी नहीं, जमीनी हकीकत के नजरिए से आंकिए

कमलेश

भारत में हिंदी भाषा को लेकर चलने वाली राजनीति और उसकी जमीनी हकीकत के बीच एक बड़ा अंतर है, जो लगातार गहराता चला गया। हालांकि अब इसे पाटने और इससे लेकर गाहे बगाहे उत्पन्न होते रहने वाले मतभेदों को दूर करने की जरूरत है। एक तरफ जहां हिंदी को राजनीतिक ध्रुवीकरण और भाषाई अस्मिता के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, वहीं व्यावहारिक धरातल पर इसकी स्थिति बिल्कुल अलग नजर आती है। इसलिए जनसामान्य के नजरिए से ही इसका सम्यक समाधान अपेक्षित है। खासकर भारतीय अभिजात्य वर्ग यानी अंग्रेजी दां लोगों के इशारे पर दक्षिण–पश्चिम–पूर्वी भारतीय भाषाओं यथा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी भाषा–भाषियों में हिंदी के प्रति जो भाषाई सौतियाडाह दिखाई देती है, उससे स्थिति और जटिल हो जाती है। यदि तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी भाषा–भाषी भी पंजाबी, बंग्ला और गुजराती भाषा–भाषियों की तरह हिंदी के प्रति सहज, सहनशील और जागरूक रहें तो भारत के हिंदी व प्रतिस्पर्धी भाषाई विवाद को न्यूनतम किया जा सकता है। पहला, श्एक राष्ट्र, एक भाषाश् का नैरेटिवरू केंद्र की राजनीति में अक्सर हिंदी को पूरे देश की संपर्क भाषा या राष्ट्रीय पहचान के रूप में पेश करने की कोशिश की जाती है। दूसरा, गैर–हिंदी राज्यों का विरोधरू तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में हिंदी को श्थोप जानेश् (भ्पदकप प्उचवेपजपवद) का मुद्दा बनाकर क्षेत्रीय दल अपनी राजनीति को मजबूत करते हैं। तीसरा, वोट बैंक और ध्रुवीकरण उत्तर भारत में हिंदी प्रेम का कार्ड खेलकर मतदाताों को लुभाया जाता है, जबकि दक्षिण में श्हिंदी विरोधश् क्षेत्रीय पहचान और भाषाई स्वाभिमान को बचाने का बड़ा जरिया बन जाता है। पहली, राष्ट्रीय भाषा भारतीय संविधान में हिंदी को राजभाषा (व्ँपिबपंस स्ंदहनंहम) का दर्जा प्राप्त है (अनुच्छेद 343), श्राष्ट्रभाषाश का नहीं। भारत की 22 आधिकारिक भाषाएं समान हैं। ू्सरी, जनसंख्या और पहुंच रु 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 43.6ः भारतीयों की मातृभाषा हिंदी (और उसकी बोलियां) है। यह देश की सबसे बड़ी बोली जाने वाली भाषा है। तीसरी, बाजार की हकीकत रु राजनीति भले ही विरोध करे, लेकिन बॉलीवुड, ओटीटी लेटफॉर्म, डिजिटल मीडिया और कॉर्पोरेट विज्ञापन दक्षिण और पूर्व के राज्यों में भी हिंदी में ही फल–फूल रहे हैं। चौथी, रोजगार की चुनौती रु हिंदी भाषी राज्यों के युवा उच्च शिक्षा, विज्ञान और कॉर्पोरेट नौकरियों के लिए आज भी अंग्रेजी पर ही निर्भर हैं। हिंदी पट्टी में शिक्षा की गुणवत्ता का अभाव एक बड़ी चुनौती है। एक, भाषा थोपने से जुड़ा डररू गैर–हिंदी भाषी राज्यों की मुख्य चिंता यह है कि यदि केंद्रीय परीक्षाओं और नौकरियों में हिंदी को प्राथमिकता दी गई, तो उनके युवाओं के अवसर सीमित हो जाएंगे। दो, बोलियों का नुकसानरू अवधी, ब्रज, भोजपुरी, मैथिली और गढ़वाली जैसी समृद्ध बोलियों को हिंदी के व्यापक छत्र के नीचे समेटने से उनकी अपनी भाषाई विविधता कमजोर हो रही है। तीन, अंग्रेजी का दबदबा हिंदी की राजनीति करने वाले नेताओं के अपने बच्चे भी अक्सर अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं, जिससे आम जनता के लिए रोजगार आधारित शिक्षा का अंतर बना रहता है। सच कहूं, तो हिंदी भाषा भारत को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है, लेकिन इसे किसी राजनीतिक एजेंडे या अनिवार्यता के बजाय आपसी संवाद और बाजार की जरूरत के तहत स्वाभाविक रूप से विकसित होने देना ही देश के बहुभाषी ताने–बाने को मजबूत रख सकता है।

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी

प्रह्लाद

जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी (जेसीआरए) ने भारत की सार्वभौम (सावरेन) क्रेडिट रेटिंग में सुधार करते हुए इसे ठठठ से बढ़ाकर ए– कर दिया है। भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी कई कारणों से

चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूरे विश्व में समस्त बड़े देशों के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है एवं भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, इस देश में नागरिकों को अपने विचार रखने की आजादी है अतः विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अभी हाल ही में अन्य देशों में निवासरत भारत के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दर्शाता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे है। हाल ही में, वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूपीआई की मांग अब विश्व के अन्य देशों द्वारा भी की जा रही है। जनधन योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़ दिया गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। डिरेक्ट बेनिफिट ट्रान्स्फर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारत में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादनकारी आस्तियां 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई हैं। यह अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, सरकारी खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च पिछले 5 वर्षों में तीन गुना हो गए हैं। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सांतवा, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो कि भारत के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आंठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020–21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025–26 में घटकर 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी की है। विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैंकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि क्रेडिट रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इससे उस देश में विदेशी निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा निम्न प्रकार की क्रेडिट रेटिंग प्रदान की जाती है। पश्चिमी देशों की क्रेडिट रेटिंग एजेन्सीयां ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में पिछले कई वर्षों से बदलाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इस दौरान विशेष रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुए विकास दर को बढ़ाने में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी ने भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो ठठठ– के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी द्वारा 18 वर्ष पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे ठठठ के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडी ने जून 2020 के पश्चात भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में कोई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को ठं3 की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त एजेन्सीयां भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग को उचित तरीके से नहीं दर्शाती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक संकेतक बहुत मजबूत बने हुए हैं। हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रीज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्टील, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में भारत आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिप निर्माण में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है। साथ ही, 3 विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन भी प्रारम्भ हो गया है। जेफ्रीज ने इस रिपोर्ट को नाम दिया है "इंडिया न्यू इंडस्ट्रीयल रेवोल्यूशन"। दूसरी रिपोर्ट आई है बैंक ओफ अमेरिका से, जो कहती है कि भारत में बहुत कुछ बदल रहा है। पिछले 24 माह में भारत में 18 सुधार कार्यक्रम लागू हुए हैं। वस्तु एवं सेवा कर के ढांचे में 5 के स्थान पर मुख्यतः अब 2 दरें लागू कर दी गई हैं एवं इसे बहुत सरल बना दिया गया है। 12 लाख रुपए की कमाई तक, आय कर शून्य कर दिया गया है। नए लेबर कोड्ज भी लागू कर दिए गए हैं एवं सोशल सिक्यरिटी का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। तीसरी रिपोर्ट आई है बॉर्नस्टीन नामक संस्थान से, जो कहती है कि भारत के विकास में कुछ हिस्सा सरकारी सहयोग से आ रहा है। केंद्र सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में अपने पूंजीगत खर्चों में भारी वृद्धि की है। जून 2026 तिमाही में भारत की 200 सबसे बड़ी कम्पनियों की आय 12 प्रतिशत बढ़ी है।

रूस और चीन के साथ मिलकर जी-3 बना सकता है

कमलेश

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ष्पणनीतिक स्वायत्तताष् वाली कूटनीति से जहां अमेरिका, चीन, रूस तीनों बड़े देश घबराए हुए हैं, वहीं फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देश इसमें ही अपना कूटनीतिक भविष्य देख रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों का भी मानना है कि यदि भारत अपने मिशन में कामयाब हो जाता है तो इससे न केवल बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को बल मिलेगा, बल्कि अमेरिका, रूस और चीन के ष्थियारों के सौदागरों के हाथ–पांव भी ठिठक जाएंगे। चूंकि समसामयिक वैश्विक परिदृश्य में अरब–खाड़ी देशों में अमेरिका–यूरोप की इज्जत दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि रूस–चीन का शह ईरान को हासिल है। इससे पहले यूक्रेन में रूस–चीन–उत्तर कोरिया की सैन्य साख दांव पर पड़ी हुई है, क्योंकि अमेरिका–यूरोप मिलकर यूक्रेन को भड़काए हुए हैं। वैसे तो चीन को ताइवान में और भारत को पीओके में उलझाने की साजिश पश्चिमी–पूर्वी देशों के इशारे पर रचाई गई, लेकिन भारत और चीन के सूझबूझ वाले नेतृत्व ने समय रहते ही स्थिति को संभाल लिया। इसमें हथियारों के वैश्विक सौदागरों और ड्रग्स सप्लायर्स का भारत–चीन से खफा होना स्वाभाविक है। इससे होने वाले घाटे की भरपाई के लिए ही तो अमेरिका ने दोनों देशों के खिलाफ टैरिफ युद्ध छेड़ दिया। और जब इसमें भी अमेरिका विफल हो गया और ष्मोदी डॉक्ट्रिनष् के चक्रव्यूह में हर ओर से घिरा महसूस करने लगा तब उसने ग्रुप–तीन (ळ–3) का नया पैंतरा बदला। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अमेरिका के व्हाइट हाउस के ष्जी तीनष् प्लान पर रूस के क्रेमलिन ने भी रजामंदी जताई है और बताया है कि पुतिन और जिनपिंग ने नवंबर में शेनजेन में होने वाले ।च्म् सम्मेलन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ ळ3 बैठक करने पर चर्चा की है। अगर अमेरिका, रूस और चीन एक साथ बातचीत की मेज पर बैठ जाते हैं और किसी सहमति तक पहुंचते हैं, तो ये दूसरे विश्व युद्ध के बाद बने उस 'याल्टा सिस्टम' का अंत होगा, जिसने यूएन सुरक्षा परिषद को बनाया था। कहने का तात्पर्य यह कि अब अमेरिका, रूस और चीन परस्पर मिलकर दुनिया के अन्य मजबूत देशों भारत, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील आदि को अपने अंतर्राष्ट्रीय एजेंडे पर चलाएंगे और इनसे मुनाफा कमाएंगे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल साउथ की जो वैश्विक चाल चली है, उसमें भारत विरोधी महारथियों का उलझना और छटपटाना तय है। वहीं, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और ब्राजील जैसे देशों को ये त्रिपक्षीय पहल नागवार गुजरी तो फिर दुनियावी कश्मकश और दिलचस्प हो जाएगी। यूं तो वर्तमान भू–राजनीतिक तनावों और कूटनीतिक विरोध के कारण अमेरिका, रूस और चीन का मिलकर ळ बनाना वर्तमान परिदृश्य में अत्यधिक असंभावित चिंतन है। लेकिन जब मुख्य षड्यंत्रकारी राष्ट्र अमेरिका और उसके मनमौजी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ही रूस–चीन युगलबंदी के समक्ष घुटने टेकते हुए ऐसा आकर्षक प्रस्ताव दे रहे हैं तो रूस–चीन दोनों के लिए भी यह आकर्षक डील होगी। चूंकि अमेरिका ने ही भारत–रूस की दोस्ती के मुकाबले चीन की तरक्की में योगदान दिया है तो चीन के लिए भी तो यह और अधिक फायदे का सौदा होगा। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि अमेरिका–रूस में तनावपूर्ण संबंध हैं, और अमेरिका ने रूस पर कई प्रतिबंध भी लगा रखे हैं। रूस–यूक्रेन संघर्ष और अन्य क्षेत्रीय मुद्दों के कारण अमेरिका और रूस के संबंध बहुत खराब हैं, ऐसे में बात कहां तक बढ़ेगी नवंबर 2006 तक इंतजार करना होगा। जहां तक अमेरिका और चीन की बात है तो दोनों देशों में रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जारी है। अमेरिका और चीन आर्थिक और सैन्य मामलों में दुनिया के मुख्य प्रतिद्वंद्वी देश हैं। खास बात यह कि अमेरिका, रूस और चीन में विचारधारा का अंतर है। अमेरिका एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का समर्थन करता है, जबकि रूस और चीन की शासन प्रणालियां उससे अलग हैं। ऐसे में जी–तीन की छतरी के नीचे आने के लिए तीनों देशों को भारी कीमत चुकानी होंगी और किसी सर्वमान्य निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले कई तरह के कूटनीतिक पापड़ बेलने पड़ेंगे। देखा जाए तो पहले अमेरिका और सोवियत संघ की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में, फिर अमेरिका और चीन की अंतर्राष्ट्रीय तनातनी में और रूस के साथ चीन के खड़े होने और भारत द्वारा भी रूस की इज्जत करने से अमेरिका बेचैन है। वहीं यूरोप भी अमेरिका की चतुराई समझ चुका है। इससे जी–7 (जी–7) और नाटो जैसे उसके पुराने हथियार अब एशियाई–यूरोपीय मामलों में भोथरे साबित हो चुके है। फिर उसने जी–20 (जी–20) की चाल चली लेकिन यहां भी भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज बुलंद कर अमेरिकी अरमानों पर पानी फेर दिया। इधर, भारत की रूसी सहभागिता, चीन की मौजूदगी, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ईरान आदि की मौजूदगी वाले एससीओ और ब्रिक्स (में बढ़ती दिलचस्पी से अमेरिकी चौधराहट को एक नया खतरा उत्पन्न हो गया है। वैसे तो

अमेरिकी डीप स्टेट ने भारत–चीन संबंधों को बिगाड़ने की पूरी चाल चली, लेकिन परिपक्व भारतीय कूटनीति के सामने अक्सर वह लाचार दिखा। वहीं, भारत के पड़ोसी देशों को भड़काकर भी वह अपना उल्लू सीधा नहीं कर सका। यही वजह है कि भारत में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता से पहले रूस–चीन के लिए उसने जी–तीन का नया चारा डाल दिया। ऐसे में जहां रूस के राष्ट्रपति पुतिन के पास भी अमेरिका से हाथ मिलाने की अपनी बड़ी वजहें हैं। वस्तुतः पुतिन की मजबूरी है कि करीब साढ़े चार साल से चल रहे यूक्रेन युद्ध में वो उलझे हुए हैं, जिसने रूस की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है और मोर्चे पर भी कोई साफ जीत नजर नहीं आ रही है। वहीं दूसरी तरफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग काफी मजबूत स्थिति में हैं। तभी तो वो बिश्केक, काहिरा और दिल्ली का दौरा खत्म करने के बाद सीधे व्हाइट हाउस, अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे हैं। चूंकि शी जिनपिंग की स्थिति मजबूत है और वह हर मामले में सधी हुई चाल चलते हैं। इसलिए ट्रंप उनके मुरीद हैं। मुंह में राम, बगल में छुरी वाले अंदाज में। हालांकि, भारत अपनी अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास दर की रफ्तार बढ़ाकर खुद को इतना मजबूत बना सकता है कि जी–3 का कोई भी देश भारत को नजरअंदाज करने की स्थिति में न रहे। यानी भारत अपनी आर्थिक ताकत में इजाफा करके स्थिति को कभी भी अपने पक्ष में कर लेगा। वहीं, जिस तरह रूस और चीन ब्रिक्स का इस्तेमाल करते हुए भी अमेरिका से सीधा फायदा निकालते आए हैं।

अन्तर विश्वविद्यालयी स्थानांतरण के पीछे भाजपा–आरएसएस की गहरी साजिश

तीर्थंकर

विधानसभा में भारी बहुमत होने के कारण उसके लिए काम करना आसान है, जबकि विपक्ष बंटा हुआ है। नतीजा यह है कि छात्रों के कल्याण को कोई अहमियत नहीं दी जा रही है। नई स्थानांतरण नीति निश्चित रूप से विचारों की विविधता

पर बुरा असर डालेगी, जबकि यह देखना अभी बाकी है कि यह अकादमिक स्तर को कितना बेहतर बनाती है। श्चिम बंगाल यूनिवर्सिटीज एंड कॉलेजेज एडमिनिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026 राज्य विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में पास हो गया है। इसका मकसद शिक्षकों और गैर–शिक्षकों स्थानांतरण के लिए एक नई प्रणाली लाना है। इसका राज्य के विश्वविद्यालयों के माहौल पर गहरा असर पड़ेगा। पहली नजर में, यह नई सरकार का उच्च शिक्षा को श्बेहतरश् बनाने की दिशा में पहला कदम लग सकता है। सिद्धांत के तौर पर यह तारीफ के काबिल है। अनुभवी शिक्षक को नये विश्वविद्यालय में भेजने और उसके अकादमिक स्तर को बेहतर बनाने के इरादे पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। फिर भी, ऐसा लगता है कि नजरिए के हिसाब से यह अकादमिक तारीफ के काबिल नहीं है। शिक्षकों को विश्वविद्यालय में पढ़ाने की जरूरतों के हिसाब से भर्ती किया जाता है। यह विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता का हिस्सा है। असल में, उस स्वायत्तता को खत्म कर दिया गया है।यह विधेयक बहुत जल्दबाजी में पेश किया गया। इसका समय जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों के दो गुटों–एक वाम छात्र संघ और दूसरा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद– के बीच रात में हुई अप्रिय झड़प के साथ मेल खाता है, जिसमें स्थानीय भाजपा विधायक सर्बोरी मुखर्जी जबरदस्ती अंदर घुस गईं। इतिहास किताबें खोजें उन्होंने दूसरे गुट के छात्रों को गंभीर नतीजों की धमकी दी। इसके तुरंत बाद, मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में एक जुलूस ने जादवपुर विश्वविद्यालय के एक द्वार के पास रैली की।निष्पक्ष रुख का दिखावा छोड़कर, मुख्यमंत्री अधिकारी ने श्राष्ट्र–विरोधी ताकतेंश् नारे लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार महात्मा गांधी की नहीं, बल्कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस की भाषा बोलेगी। वे यह भूल गए हैं कि बोस प्रेसिडेंसी कॉलेज के टीचर ई.एफ. ओटेन के साथ टकराव के बाद एक छात्र नेता के तौर पर मशहूर हुए थे, जब ओटेन ने कथित तौर पर भारतीयों के खिलाफ कुछ नस्लवादी टिप्पणियां की थीं। अब, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री कुछ छात्रों के खिलाफ एक छात्र नेता की भाषा बोलना चाहते हैं।इसके अलावा, बोस सांप्रदायिक राजनीति से नफरत करते थे। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के गठबंधन के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, जो उस समय बंगाल में हिंदू महासभा के एक बड़े नेता थे और जिन्होंने बाद में भारतीय जनसंघ की स्थापना की थी– यही पार्टी आगे चलकर भाजपा बनी, जिससे अधिकारी जुड़े हैं। अब वर्तमान की बात करें तो, राज्य के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और गैर–शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए नया तरीका कुछ सवाल खड़े करता है। पहला सवाल यह है कि श्दूसरे विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित किए जाने वाले अनुभवी शिक्षकोंश् की पहचान कौन करेगा क्या राज्य सरकार के खिलाफ खुलकर बोलने वाले शिक्षकों को सबसे पहले अपना बोरिया–बिस्तर समेटना होगा? क्या सत्ता में बैठे लोगों की राय के खिलाफ असहमति ही अकादमिक स्थानांतरण का मुख्य आधार होगी? किसी नए विश्वविद्यालय के अकादमिक स्तर को बेहतर बनाने का एकमात्र पैमाना हस्तांतरण नहीं हो सकता। इसके लिए जरूरी है कि विश्वविद्यालय का अपना खास ध्यान किसी क्षेत्र पर हो और उसे अपने संसाधन और काबिलियत के क्षेत्रों को विकसित करने की आजादी हो। इन सवालों के जवाब अभी मिलना बाकी है। लेकिन राज्य सरकार की तरफ से किसी भी तरह के पक्षपात के शक को दूर करने के लिए इन पर शुरुआत में ही ध्यान दिया जाना चाहिए था। राजनीतिक खबरें पढ़ें जादवपुर विश्वविद्यालय के कई मौजूदा और पूर्व शिक्षकों ने परिसर में आकर छात्रों के साथ एकजुटता दिखाई, जो भगवा विचारधारा को नहीं मानते थे। परिसर के अंदर बने राजनीतिक ग्रैफिटी को सफेदी से मिटा दिया गया, लेकिन उन पर फिर से कुछ लिख दिया गया। इसी माहौल में यह विधेयक पेश किया गया और पास हुआ। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि राज्य के शिक्षक समुदाय के एक बड़े हिस्से को इसमें कुछ गड़बड़ लग रही है। इन अकादमिकों को डर है कि स्थानांतरण की यह नयी प्रणाली इस विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता के विकास के लिए खतरा है। इसकी प्रतिष्ठा रातों–रात नहीं बनी थी। आखिरकार, एक छोटे से बीज को बड़े पेड़ में बदलने में दशकों या उससे भी ज़्यादा समय लगता है। स्थानांतरण, खासकर किसी खास मकसद से किए गए स्थानांतरण, विश्वविद्यालय के प्रभाव को कम कर सकते हैं और उसके शिक्षण स्तर को अस्थिर कर सकते हैं – जैसे कि जादवपुर विश्वविद्यालय, जो हाल ही में गलत वजहों से चर्चा में रहा है। इसके अलावा, इससे शिक्षकों और छात्रों में अनिश्चितता पैदा होती है। उन्हें डर रहता है कि सरकार की आलोचना करने पर उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। राज्य के विश्वविद्यालयों की मुख्य काबिलियत, खासकर जहां शिक्षकों ने विभागों की प्रतिष्ठा बनाई है, उस पर विचार नहीं किया गया है। पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा राज्य सरकार के इरादे साफ तौर पर कुछ और ही थे। विधानसभा में भारी बहुमत होने के कारण उसके लिए काम करना आसान है, जबकि विपक्ष बंटा हुआ है। नतीजा यह है कि छात्रों के कल्याण को कोई अहमियत नहीं दी जा रही है। नई स्थानांतरण नीति निश्चित रूप से विचारों की विविधता पर बुरा असर डालेगी, जबकि यह देखना अभी बाकी है कि यह अकादमिक स्तर को कितना बेहतर बनाती है। इस आशंका को भी खारिज नहीं किया जा सकता कि इससे बेरोकटोक बौद्धिक जुड़ाव, जिज्ञासा और चर्चा के लिए गुंजाइश कम हो जाएगी।

होमगॉर्ड की भर्ती में दौड़ लगाने के दौरान दो युवक बेहोश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्दीकपुर में स्थित इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहे होमगॉर्ड की भर्ती की दौड़ में दो युवक दौड़ लगाते समय बेहोश हो गयें। मंगलवार सुबह से ही दौड़ लगाने की प्रतिक्रिया के लिए होमगॉर्ड में भर्ती युवाओं की लाइन लग गई। इस दौड में राहुल पांडेय 25 वर्ष पुत्र राजेश कुमार पांडेय निवासी पहाड़पुर कला थाना करंडा जनपद गाजीपुर और शिवम तिवारी 23 वर्ष पुत्र राजेश तिवारी निवासी सखापुर थाना मरदाह जनपद गाजीपुर टोली के साथ पांच किलो मीटर दौड़ के लिए जैसे ही दौड़े कुछ ही दूर जाते जाते यह दोनों युवक अचेत होकर गिर पड़ें। दोनों को जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया जहां इन्होंने बताया कि दौड़ का समय सुबह 8 बजे दिया गया था लेकिन दौड़ध लगभग 12 बजे कराई गई। फिलहाल जिला अस्पताल के चिध्धकित्सकों ने दोनों के ठीक हो जाने के बाद उनकी छुट्टी कर दी है।

पीआरडी की शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने आया युवक ट्रांसफार्मर पर चढ़ा,करंट की चपेट में आने से झुलसा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर, 15 सितंबर । यूपी के जौनपुर में सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के सिद्धिकपुर स्थित इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम में मंगलवार को पीआरडी की शारीरिक दक्षता परीक्षा में शामिल होने आए गाजीपुर निवासी 26 वर्षीय अमन करंट की चपेट में आने से झुलस गया। गंभीर हालत में

उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि परीक्षा में शामिल होने के बाद अमन स्टेडियम से बाहर निकला और फरीदाबाद गांव के पास लगे ट्रांसफार्मर पर चढ़ गया। दोपहर करीब 2रू30 बजे वह करंट की चपेट में आ गया और नीचे गिर पड़ा। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने एंबुलेंस को सूचना दी। उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक बताई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। युवक ट्रांसफार्मर पर किन परिस्थितियों में चढ़ा, इसका तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। क्षेत्राधिकारी शहर गोल्डी गुप्ता ने बताया कि युवक के ट्रांसफार्मर पर पहुंचने की परिस्थितियों की जानकारी की जा रही है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। युवक का उपचार चल रहा है। परिजनों के पहुंचने के बाद घटना के संबंध में स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

जौनपुर अधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ अध्यक्ष–मंत्री समेत सभी पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में दीवानी न्यायालय अधिवक्ता संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का मंगलवार को शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य अनुराग पांडेय मुख्य अतिथि रहे। अध्यक्ष, मंत्री समेत सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने पद की शपथ लेकर संघ की जिम्मेदारी संभाली। दोपहर एक से चार बजे तक आयोजित समारोह में शपथ के बाद नवनिर्वाचित पदाधि

ाकारियों का अधिवक्ताओं ने फूल–माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। सभागार तालियों और बधाइयों से गूंज उठा। मुख्य अतिथि अनुराग पांडेय ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए बार का एकजुट रहना जरूरी है। पदाधिकारियों को अधि ावक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाकर उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करना चाहिए। शपथ ग्रहण में सबसे पहले अध्यक्ष ने पद की शपथ ली। इसके बाद मंत्री सहित अन्य पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ ली। सभी ने संघ की गरिमा, अनुशासन और परंपराओं को बनाए रखने तथा अधिवक्ता हित में निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह में जिला जज, अपर पुलिस अधीक्षक, अन्य न्यायिक अधि ाकारी, संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं मंत्री, वरिष्ठ अधिवक्ता और कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। वक्ताओं ने नई कार्यकारिणी से बार–बेंच के बीच बेहतर समन्वय और अधिवक्ता हितों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। इस दौरान संघ का चुनाव निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने वाले चुनाव अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया।

84 साल के नाना को दुल्हन की तलाश

लखनऊ, (संवाददाता)। करोड़ों की संपत्ति और दो मंजिला मकान होने के बावजूद 84 वर्षीय नाना को जिंदगी में एक साथी की कमी खल रही थी। कोविड के दौरान पत्नी का साथ छूटा तो बेटों ने भी किनारा कर लिया। मध्य प्रदेश के विदिशा से नाना अपने नाती के साथ लखनऊ पहुंचे। मकसद था उम्र की दूसरी पारी के लिए हमसफर तलाशना। मौका था अनुबंध संस्था की ओर से पारा के एक बरातघर में आयोजित वरिष्ठ नागरिक जीवनसाथी परिचय सम्मेलन का। सम्मेलन में 50 से 80 वर्ष की उम्र के 90 बुजुर्ग पहुंचे। इनमें 75 पुरुष और सिर्फ 15 महिलाएं थीं। तलाकशुदा, अविवाहित और जीवनसाथी खो चुके बुजुर्गों ने एक–दूसरे से मुलाकात की और अपनी जिंदगी के अनुभव साझा किए। दिल्ली की 55 वर्षीय महिला पति की मौत के बाद करीब 30 साल से अकेली रह रही हैं। बेटे बड़े हुए तो अलग रहने लगे। अब जिंदगी की ढलती शाम में किसी ऐसे साथी की तलाश है, जिसके साथ बैठकर दो बातें की जा सकें। वह दोस्त के साथ सम्मेलन में पहुंचीं और कई लोगों से मुलाकात की। बताया कि पास बैठकर कोई बात सुनने वाला हो तो जिंदगी आसान हो जाती है। प्रयागराज से आई महिला ने बताया कि बूढ़े मां–बाप की सेवा में उम्र बीत गई। पिता ने कुछ संपत्ति उनके नाम की तो भाइयों ने दूरी बना ली।

आगामी शारदीय नवरात्रि दुर्गा पूजानोत्सव की तैयारियों को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति,जौनपुर की प्रबन्धकारणी में विस्तृत चर्चा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। श्री दुर्गा पूजा महासमिति की एक आवश्यक बैठक महासमिति के केंद्रीय कार्यालय नवदुर्गा मंदिर, नखास में नव चयनित अध्यक्ष मनीष देव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र भव्य दुर्गा पुजनोत्सव के अवसर पर महासमिति द्वारा आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पुरस्कार वितरण सहित अन्य आयोजनों की रूपरेखा पर भी विचार–विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष मनीष देव ने दुर्गा पूजानोत्सव के कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि नवरात्र के दौरान सभी कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए समयबद्ध तैयारी आवश्यक है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आयोजन को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक में प्रमुख रूप से शारदीय नवरात्र से पहले नगर एवं ग्रामीण अंचलों की सड़कों की खराब स्थिति पर चर्चा की गई। महासमिति ने जिला प्रशासन से मांग की कि नवरात्र शुरू होने से पहले नगर और ग्रामीण क्षेत्रों की प्रमुख सड़कों को जल्द से जल्द गड्ढामुक्त कराया जाए, ताकि विभिन्न पूजा समितियों को मां दुर्गा की प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके साथ ही बिजली और साफ–सफाई की व्यवस्था को लेकर भी जिला प्रशासन से आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई। महासमिति के सदस्यों ने कहा कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी नवरात्र से पहले बिजली व्यवस्था, सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करा दिया जाए, जिससे पूजा समितियां शारदीय नवरात्र के कार्यक्रमों को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न करा सकें। नव चयनित महासचिव मनीष गुप्ता ने उपस्थित सदस्यों से आगामी कार्यक्रमों को लेकर सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक सहयोग और सुझावों से शारदीय नवरात्र के कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं सफल बनाया जा सकेगा। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत चर्चा की। महासमिति ने निर्णय लिया कि जल्द ही महासमिति के पदाधिकारी, संरक्षक मंडल एवं अध यक्ष मनीष देव के नेतृत्व में जिलाधि ाकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत, नगर पालिका एवं विद्युत विभाग से मुलाकात करेंगे। इस दौरान नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों, बिजली, साफ–सफाई सहित अन्य जनसमस्याओं से संबंधित मांगों का पत्रक अधिकारियों को सौंपा जाएगा। बैठक के दौरान महासमिति के विशिष्ट सदस्य गौरव श्रीवास्तव प्रबन्ध ाकारणी के सदस्य राम प्रकाश यादव, निशाकांत द्विवेदी, रवि शर्मा, चन्द्रशेखर गुपा आदि ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। सदस्यों ने नवरात्र के दौरान होने वाले आयोजनों, पुरस्कार वितरण एवं अन्य कार्यक्रमों को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए तथा सभी ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने पर बल दिया। बैठक में महेश जायसवाल, रत्नेश सिंह, राजन अग्रहरि, शैलेंद्र मिश्रा, विजय गुप्ता, संजय मोदनवाल, संजय विश्वकर्मा, अमित गुप्ता,चंदन यादव, विष्णु गुप्ता, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, मो. शाहिद, श्रीपाल यादव, रोशी सोनकर, धीरज जायसवाल, ज्ञानेन्द्र दूबे, करन बिन्द, प्रिन्स तनेजा, विवेक जायसवाल, कृष्ण कुमार, महेंद्र अग्रहरि, उदय मौर्य, रोहित सिन्हा,यश गुप्ता, रतन मौर्या, द्वारिकेश अग्रहरि, रवि शंकर यादव, मुकुल यादव सहित महासमिति के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी महासमिति के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव ने दी।

छह माह पुराने लंबित मामलों का तत्काल निस्तारण करें – एडीजी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन नवीन अरोड़ा ने सोमवार को पुलिस कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने जनसुनवाई के साथ अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून–व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने छह माह पुराने सभी लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान एडीजी ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक स्तर पर मामलों का निस्तारण ठीक हो रहा है, लेकिन अधीनस्थ स्तर पर कुछ मामलों में अपेक्षित प्रगति नहीं है। एसआई स्तर पर लंबित पत्रावलियों में तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने महिलाओं से संबंधित आर्थिक शोषण के मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कर आवश्यक कार्रवाई के लिए आगे भेजने के निर्देश दिए। पुराने लूट, डकैती और हत्या के मामलों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र खुलासे के लिए दिशा–निर्देश दिए। हिस्ट्रीशीटरों की आपराधिक गतिविधियों की समीक्षा कर उनकी लगातार निगरानी और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश भी दिए। जमीन से जुड़े मामलों पर एडीजी ने कहा कि इनमें अक्सर दोनों पक्ष आमने–सामने होते हैं। पुलिस का काम सही व्यक्ति के साथ न्याय करना है। सभी को संतुष्ट करना संभव नहीं है और किसी को संतुष्ट करने के लिए गलत कार्रवाई नहीं की जा सकती। गैंग बनाकर घटनाओं को अंजाम देने वालों तथा गैंग तैयार करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए। राजस्व से जुड़े मामलों के संबंध में उन्होंने पुलिस और जिला प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने संयुक्त टीम बनाकर ऐसे मामलों का समयबद्ध निस्तारण करने की बात कही। यातायात व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि शहर में जाम से निपटना केवल ट्रैफिक पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। सिविल पुलिस भी अपने क्षेत्र की यातायात व्यवस्था के लिए जिम्मेदार है। ट्रैफिक पुलिस सहयोग के लिए है और उसकी संख्या हर स्थान पर तैनाती के लिए पर्याप्त नहीं है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस कार्यालय में कार्यभार की तुलना में अधिक कर्मचारियों की तैनाती पर भी टिप्पणी की। उन्होंने मानव संसाधन के बेहतर उपयोग, अभिलेखों के व्यवस्थित रखरखाव और कार्यालय कार्यों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत, शिव-पार्वती की पूजा कर मांगा अखंड सौभाग्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में हरतालिका तीज का पर्व सोमवार को जौनपुर में श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी आयु, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। सुबह से ही मंदिरों और घरों में भगवान शिव और माता पार्वती की विधि–विध ाान से पूजा–अर्चना की गई। भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व का हिंदू धर्म में विशेष महत्व माना जाता है। ध ाार्मिक मान्यता के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इसी मान्यता के चलते सुहागिन महिलाएं हरतालिका तीज का व्रत रखती हैं। जौनपुर नगर के विभिन्न मंदिरों में महिलाओं ने समूह में एकत्र होकर शिव–पार्वती की पूजा की और कथा सुनी। महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती को फल, फूल, बेलपत्र, मिठाई और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की। दिनभर निर्जला व्रत रखने के बाद महिलाओं ने शाम को पूजा–अर्चना की। मान्यता के अनुसार पूजा के बाद मंगलवार सुबह महिलाएं अपने पति के हाथों पानी पीकर व्रत का पारण करती हैं। महिलाओं का विश्वास है कि हरतालिका तीज का व्रत रखने से पति की दीर्घायु, परिवार में सुख–शांति और समृद्धि बनी रहती है। पर्व को लेकर बाजारों में भी चहल–पहल रही। महिलाओं ने व्रत के लिए पूजन सामग्री, फल, मिठाई, वस्त्र और श्रृंगार सामग्री की खरीदारी की।

सीमित संसाधनों में भी उत्कृष्ट कार्य संभव – कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के विश्वेश्वरैया सभागार में मंगलवार को इंजीनियर्स डे धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य के लिए हमेशा अधिक संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती। उपलब्ध सीमित संसाधनों का बेहतर उपयोग करके भी श्रेष्ठ परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजगार और भविष्य की चुनौतियों के लिए निरंतर कौशल विकास करने का आह्वान किया। कहा कि प्लेसमेंट की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को अपनी स्किल्स लगातार विकसित करनी चाहिए। कुलपति ने कहा कि वह केवल कार्यालय में बैठकर कार्य करने के लिए नहीं आए हैं, बल्कि विद्यार्थियों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझेंगे और समाधान का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर पोस्टर, डिबेट, इनोवेटिव आइडिया और रंगोली समेत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पोस्टर प्रतियोगिता में श्रेयस प्रजापति एवं टीम, डिबेट में प्रतीक तिवारी एवं टीम, इनोवेटिव आइडिया में गणेश मौर्य तथा रंगोली में श्रेया, यश्वी एवं टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स विभागाध यक्ष प्रो. रवि प्रकाश के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में पूनम सोनकर, डॉ. विशाल यादव, प्रीति शर्मा, डॉ. रितेश बरनवाल, डॉ. पारुल त्रिवेदी, डॉ. संतोष त्रिपाठी सहित शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

ट्रक ड्राइवर हत्याकांड पीड़ित परिवार से मिले पूर्व सांसद धनंजय सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में रामदयालगंज बाजार में 11 सितंबर को तिवारीपुर गांव निवासी विशाल यादव की लोहे की सरिया से हमला कर हत्या के मामले में सोमवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह पीड़ित परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी ली और शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहायता का भरोसा दिया। परिजनों ने पूर्व सांसद को घटना के संबंध में जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की। धनंजय सिंह ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वह परिवार के साथ हैं और उन्हें हरसंभव मदद उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे। मीडिया से बातचीत में पूर्व सांसद ने हत्याकांड के आरोपी की एक विधायक के साथ वायरल हो रही तस्वीर के संबंध में कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ कोई व्यक्ति फोटो खिंचा सकता है और बाद में वह फोटो वायरल भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि केवल फोटो के आधार पर किसी की घटना में संलिप्तता तय नहीं की जा सकती। उन्होंने अपनी एक पुरानी घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी उनकी एक तस्वीर को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा किया गया था। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के साथ फोटो होने और किसी अपराध में संलिप्त होने में अंतर है। धनंजय सिंह ने कहा कि आरोपी की घटना में संलिप्तता जांच का विषय है। यदि पीड़ित परिवार लिखित रूप से जांच की मांग करता है तो प्रशासन पूरे मामले की जांच कर सकता है। उन्होंने निष्पक्ष जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही।

तीन दिन में सभी चिन्हित गड्ढे भरकर सड़कें गड्ढामुक्त करें - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में सोमवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद की सड़कों के गड्ढामुक्तिकरण को लेकर समीक्षा बैठक हुई। जिलाधि ाकारी ने बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दुरुस्त कर आवागमन योग्य बनाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तीन दिनों के भीतर चिन्हित सभी गड्ढों को भरकर सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाए। कार्य में लापरवाही या शिथिलता मिलने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क मरम्मत के दौरान आमजन को आवागमन में असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यकता के अनुसार कार्य रात्रि में भी कराया जाए। उन्होंने मारुति सुजुकी शोरूम के सामने क्षतिग्रस्त सड़क को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों से उनके क्षेत्रों में आने वाली सड़कों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त सड़कों को तत्काल मोटरेबल कराने को कहा। नगर क्षेत्रों में रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए गए, ताकि रात में आवागमन करने वालों को परेशानी न हो। जिलाधि ाकारी ने अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण कर सड़क मरम्मत की गुणवत्ता और कार्य की प्रगति की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जनपद की यातायात व्यवस्था और प्रमुख मार्गों की स्थिति की भी समीक्षा की तथा यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, एडीएम भू–राजस्व अजय अम्बष्ठ, एडीएम वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, एनएचएआई के अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अधि ाशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग सहित अन्य संबंधित अधि ाकारी मौजूद रहे।

स्कूलों में अब सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगेगी रोक, बच्चों को सिखाया जाएगा कूड़ा निस्तारण

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के परिषदीय विद्यालयों में सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक लगाई जाएगी। साथ ही बच्चों को गीला, सूखा कूड़ा, ई कचरा और कूड़ा निस्तारण की वैज्ञानिक विधि बताई जाएगी। इसके लिए विद्यालयों में विशेष स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग ने स्कूलों में एक से 31 अक्तूबर तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इससे पहले 15 से 30 सितंबर तक स्वच्छता पखवाड़ा होगा। इस दौरान विद्यालयों में निबंध, स्लोगन, पेंटिंग, मॉडल बनाने की प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें विजेता छात्र छात्राओं, शिक्षकों व अभिभावकों को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्हें रीयूज, रिड्यूज व रिसाइक्लिंग का पालन करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग रोकने, प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने सभी बीएसए को निर्देश दिया है कि इसी तरह विद्यालयों में ई कचरा संग्रहण केंद्र स्थापित किया जाए। इसके साथ ही इससे जुड़ी जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाए। बच्चे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों व क्षतिग्रस्त बैटरी को खुद न खोले, इसका ध्यान रखा जाए। दो से 31 अक्तूबर तक कचरा निस्तारण का क्रियान्वयन चरण आयोजित किया जाएगा। साथ ही दो अक्तूबर को स्वच्छ भारत दिवस का आयोजन किया जाएगा।

गंदगी और मच्छरों के प्रकोप से डेंगू-मलेरिया के साथ टाइफाइड के मरीज भी बढ़े

अयोध्या।इस समय मौसम में बदलाव के साथ डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ता दिखाई दे रहा है।बड़ी संख्या में मरीज बुखार और अन्य लक्षणों से परेशान होकर जिला अस्पताल के साथ निजी अस्पतालों में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।डाक्टर गौरव श्रीवास्तव, फिजीशियन डाक्टर प्रशांत तिवारी व अन्य चिकित्सकों के मुताबिक इस समय जगह–जगह फैली गंदगी, जलभराव और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के कारण विशेष रूप से डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ जाता है। शहर के कई इलाकों में नियमित साफ–सफाई और जलभराव की समस्या को लेकर लोगों में चिंता बनी हुई है।लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नालियों की सफाई,जलभराव की रोकथाम और मच्छरों के नियंत्रण के लिए फांगिग व प्रभावी कदम उठाए जाएं तो इन बीमारियों के प्रसार को काफी हद तक रोका जा सकता है।वही सीएमओ देवेंद्र कुमार भिटौरिया ने लोगों से अपील किया है कि डेंगू,मलेरिया और टाइफाइड से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ आसपास के वातावरण की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दें।बताया कि वे सभी अपने अपने घरो मे आसपास पानी जमा न होने दें।कूलर, गमले, पुराने टायर, डिब्बे तथा अन्य स्थानों पर एकत्रित पानी को नियमित रूप से खाली कर साफ करें, क्योंकि जमा पानी में मच्छरों के पनपने की संभावना रहती है।बताया कि मच्छरों से बचने के लिए मच्छरदानी, मच्छररोधी साधनों तथा पूरी आस्तीन के कपड़ों का इस्तेमाल किया जाए।पीने के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पानी का प्रयोग करें तथा भोजन को ढककर रखें।खाना खाने से पहले और शौचालय के बाद साबुन से हाथों को अच्छी तरह धोने की आदत डालें।बताया कि लगातार बुखार,तेज सिरदर्द, शरीर में दर्द, अत्यधिक कमजोरी या अन्य असामान्य लक्षण दिखाई देने पर बिना चिकित्सकीय सलाह के दवा लेने से बचें और तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक से संपर्क कर जांच कराएं।समय पर जांच और उपचार से बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सकता है।बताया कि बदलते मौसम में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ नगर निगम और आम नागरिकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

पार्टी के बाद बाइक से जा रहा था कमरे पर, तेज थी रफ्तार, फिर हुआ दर्दनाक हादसा

वाराणसी, (संवाददाता)। बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के छाता रेलवे क्रासिंग के समीप सोमवार सुबह पानी भरे गहरे गड्ढे में सिपाही का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बांसडीह कोतवाली में तैनात 2020 बैच के सिपाही पारितोष मिश्र (25) के रूप में हुई। वह प्रयागराज जिले के होलागढ़ थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, पारितोष मिश्र रविवार देर शाम बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के छाता गांव में अपने बैच के साथी सिपाहियों के साथ पार्टी में शामिल होने पहुंचे थे। पार्टी खत्म होने के बाद वह बाइक से वहां से निकले। इसी दौरान छाता रेलवे क्रासिंग के पास तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे गड्ढे में जा गिरी। गड्ढे में पानी भरा होने के कारण पारितोष बाइक समेत उसमें डूब गए। काफी देर तक पारितोष के वापस नहीं लौटने पर उनके साथियों को चिंता हुई। उन्होंने उनकी तलाश शुरू की। मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद साथी पुलिसकर्मियों ने रातभर आसपास के इलाके में खोजबीन की। बावजूद इसके पारितोष का कोई पता नहीं चला। सोमवार सुबह छाता क्रासिंग के समीप पानी भरे गड्ढे में पुलिसकर्मियों ने तलाश की तो वहां पारितोष का शव और बाइक बरामद हुई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से घटना की जानकारी ली। साथ ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

वैशाली एक्सप्रेस में 30 लाख कैश के साथ युवक पकड़ाया, गोरखपुर में देना था, हवाला का शक

गोरखपुर, (संवाददाता)। बिहार से नई दिल्ली जा रही वैशाली एक्सप्रेस (15565) ट्रेन से रेलवे पुलिस ने रविवार को एक संदिग्ध युवक से करीब 30 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। बताया गया कि युवक रुपये गोरखपुर में एक व्यक्ति को देने जा रहा था। जीआरपी ने उसे हिरासत में लेकर आयकर विभाग को जानकारी दे दी है। जीआरपी के अनुसार, वैशाली एक्सप्रेस में रविवार दोपहर देवरिया सदर से गोरखपुर जंक्शन के बीच चेकिंग की जा रही थी। करीब साढ़े तीन बजे एक संदिग्ध युवक के बैग की तलाशी ली गई तो उसमें नोटों की गड्डियां मिलीं। गिनती में वह रकम 30 लाख 23 हजार 200 रुपये मिली। युवक ने अपना

नाम मुकेश शर्मा (21) निवासी बीनादेसर गांव, जिला चूरूं, राजस्थान बताया। रकम के स्रोत और लेनदेन से जुड़ा कोई दस्तावेज वह नहीं दिखा सका। इसके बाद जीआरपी के सिपाही युवक और बरामद रकम को लेकर देवरिया जीआरपी थाने पहुंचे। देवरिया जीआरपी के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि रकम कहां से आई और गोरखपुर में किसे दी जानी थी, इसकी जांच की जा रही है। आयकर उपनिदेशक (जांच), गोरखपुर यूनिट को भी सूचना दे दी गई है। एक दिन पहले गोरखपुर रेलवे स्टेशन से भी बिहार के एक व्यापारी को 18 लाख रुपये के साथ पकड़ा गया था। पूर्वी चंपारण के रहने वाले व्यापारी संजय कुमार गुप्ता को पूछताछ के बाद आयकर विभाग की टीम ने शनिवार रात छोड़ दिया। व्यापारी से मिली रकम को जीआरपी ने मालखाने में जमा कर दिया है। हवाला की रकम का अंदेशा होने पर आयकर विभाग की टीम जांच कर रही है। पूछताछ में मुकेश ने बताया कि वह अपने भाई के कहने पर अलग–अलग लोगों तक रकम पहुंचाता है और इसके बदले एक लाख रुपये पर ढाई सौ रुपये कमीशन लेता था।

थ्री स्टार होटल बनवाने के नाम पर ठग लिए 1.18 करोड़ रुपये, गड्ढा खोदकर भागे ठेकेदार

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर इलाके के धर्मपुर निवासी व्यवसायी से बशारतपुर स्थित जमीन पर थ्री स्टार होटल बनवाने के नाम पर 1.18 करोड़ रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। शनिवार को शाहपुर पुलिस ने मो. फरीद किदवई, फैकुल्लाह खान और नसीम अहमद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी। आरोप है कि लखनऊ की रियल एस्टेट कंपनी(मेसर्स एसएनजीएफ रियल वेंचर्स एंड कंन्सेक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड) के तीन ठेकेदारों ने रकम लेने के बाद फर्जी बिल और रसीदें दिखाकर भरोसा बनाए रखा। निर्माण के नाम पर साइट पर सिर्फ गड्ढा खोदकर छोड़ दिया गया। बाद में उसे पाटने में भी व्यवसायी को करीब 10 लाख रुपये खर्च करने पड़े। धर्मपुर प्रगति विहार कॉलोनी निवासी राम अवतार सिंह ने सीओ गोरखनाथ को दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि वह मेसर्स सिंघल वेंचर्स के पार्टनर हैं। बशारतपुर में उनकी जमीन पर थ्री स्टार होटल प्रस्तावित था। होटल निर्माण के लिए उन्होंने लखनऊ के आदिल नगर, टेढ़ी पुलिया स्थित एक कंपनी के ठेकेदार मो. फरीद किदवई, फैकुल्लाह खान और नसीम अहमद से 23 अगस्त 2021 को अनुबंध किया था। शिकायत के मुताबिक, अनुबंध के बाद आरोपियों ने अलग–अलग तारीखों में उनके खाते से 85.27 लाख रुपये ट्रांसफर कराए, जबकि 32.73 लाख रुपये नकद लिए। इस तरह कुल 1.18 करोड़ रुपये लेने के बाद भी होटल का निर्माण नहीं कराया गया। आरोप है कि आरोपी फर्जी बिल और रसीदें दिखाकर निर्माण कराने का भरोसा देते रहे। साइट पर गड्ढा खोदने के बाद काम बंद कर दिया गया। उसे दोबारा पाटने में करीब 10 लाख रुपये अतिरिक्त खर्च हुए।राम अवतार का आरोप है कि नौ अप्रैल को आरोपियों ने वकील के माध्यम से उन्हें नोटिस भेजा। इसमें फर्जी इकरारनामा लगाया गया था। उनका कहना है कि मूल अनुबंध के पैरा–18 को काटकर उस पर हस्ताक्षर किए गए थे, जबकि आरोपियों की ओर से भेजी गई प्रति में इसी पैरा में 50 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग जोड़ दी गई। शिकायत के अनुसार, रकम नहीं देने पर आरोपियों ने परिवार समेत जान से मारने की धमकी भी दी। मामले में पीड़ित ने सीओ गोरखनाथ से कार्रवाई की गुहार लगाई।सीओ के निर्देश पर शनिवार को शाहपुर पुलिस ने मो. फरीद किदवई, फैकुल्लाह खान और नसीम अहमद के खिलाफ जालसाजी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और धमकी देने समेत संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई।

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और विधायक रामचंद्र यादव ने सर्किट हाउस में बिजली अधिकारियों के साथ की बैठक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मंगलवार को अयोध्या धाम स्थित सर्किट हाउस में अधीक्षण अभियंता (विद्युत) विनय पटेल के साथ रुदौली विधायक रामचंद्र यादव और अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अपनी अपनी विधानसभा में विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं एवं व्यवस्थाओं को लेकर बैठक में क्षेत्र में निर्बाधा एवं सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, बार–बार हो रहे विद्युत व्यवधान, जर्जर विद्युत लाइनों एवं अन्य स्थानीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।साथ ही संबंधित अधिकारियों से कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की विद्युत समस्या का सामना न करना पड़े और शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए।रूदौली और अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर विद्युत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। क्षेत्र की जनसमस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय और प्रयास जारी रहेगा।अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अपने क्षेत्र में बिजली को लेकर बैठक किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया है।इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष भाजपा कमलेश श्रीवास्तव, नामित पार्षद बबलू मिश्रा एवं अतुल सिंह जी उपस्थित रहे।

भाजपा नेता गोविंद यादव के नाबालिग पुत्र दीपांशु का निधन,परिवार में मचा कोहराम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के बीकापुर तहसील क्षेत्र के बछरामपुर निवासी युवा भाजपा नेता एवं एसवीडी ट्रैवल्स के संचालक गोविंद यादव के नाबालिग पुत्र दीपांशु यादव का मंगलवार को मेदांता हॉस्पिटल में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह कई दिनों से बीमार चल रहे थे।निधन की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।दीपांशु की मौत की खबर क्षेत्र में पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई।भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।बीकापुर ब्लॉक प्रमुख दिनेश कुमार वर्मा, भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुनील मिश्रा,भरत जी श्रीवास्तव, गौतम चौरसिया, गोमती तिवारी, जंग बहादुर तिवारी,शैलेंद्र पांडेय मोनू, गौरव पांडेय सहित अन्य भाजपाइयों ने दीपांशु के निधन पर गहरा शोक जताया।नेताओं ने कहा कि कम उम्र में हुई यह दुखद मौत परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है।उन्होंने शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया।

नगर निगम लगाएगा ओपन जिम-झूले, 7.60 करोड़ होंगे खर्च पार्कों को होगा कायाकल्प

गोरखपुर, (संवाददाता)। नगर निगम की ओर से शहर के 47 पार्कों के विकास और सुंदरीकरण की तैयारी की गई है। 15वें वित्त आयोग के तहत प्रस्तावित इन कार्यों पर कुल करीब 7.60 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पार्कों में चहारदीवारी, ग्रिल, गेट, पाथवे, ओपन जिम, झूले और फाउंटेन सहित अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार इनमें कई पार्कों में ओपन जिम बनाने का प्रस्ताव है। कुछ पार्कों में चहारदीवारी, ग्रिल, गेट और पाथवे बनाए जाएंगे, जबकि कुछ का पूरी तरह सुंदरीकरण किया जाएगा। प्रस्ताव में सबसे अधिक 35.26 लाख रुपये नौसड़ पंचायत भवन के बगल पार्क के निर्माण और 35.35 लाख रुपये बेतियाहाता स्थित पार्क के सुंदरीकरण के लिए रखे गए हैं। शहर के निवासी पवन अग्रवाल का कहना है कि पार्कों के सुंदरीकरण

होने से शहर के अंदर एक अच्छी जगह मिल जाएगी जहां लोग सुबह शाम टहलने के साथ बच्चों का मनोरंजन भी कर सकेंगे। वहीं, ओपेन जिम होने से शरीर भी स्वस्थ रहेगा। इसके साथ ही शिव कुमार सिंह का कहना है कि काली मंदिर गोलघर के सामने अंदर गली में पार्क है जो बदहाल है। यहां सुविधाएं बढ़ेगी तो लोग सुबह शाम टहलेंगे व बच्चों का मनोरंजन भी होगा। वहीं, सिविल लाइंस के पार्षद अजय राय ने बताया कि सीएम ने इसका शिलान्यास किया है, कार्य पूरा हो जाने से काफी सुविधाएं मिलेंगी।

18 लाख रुपये के साथ रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया बिहार का व्यापारी, भाई नेपाल में करता है कारोबार

गोरखपुर, (संवाददाता)। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म तीन से बिहार के एक व्यापारी को जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने 18 लाख रुपये नगद के साथ पकड़ा है। पूर्वी चंपारण के आदापुर क्षेत्र का रहने वाला संजय कुमार गुप्ता रकम के संबंध में कोई वैध कागजात नहीं दिखा सका। जांच में पता चला कि रक्सौल बॉर्डर क्षेत्र में व्यापारी की दुकान है और उसका भाई नेपाल में कारोबार करता है। सूचना पर पहुंची आयकर विभाग की टीम युवक को हिरासत में लेकर हवाला नेटवर्क से जुड़े होने के बिंदु पर भी पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार शाम करीब सात बजे जीआरपी को सूचना मिली थी कि एक युवक बैग में भारी मात्रा में नकद रुपये लेकर जा रहा है। सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने स्टेशन परिसर में चेकिंग शुरू कर दी। प्लेटफॉर्म तीन से एक युवक

बैग लिए संदिग्ध दिखा। टीम ने उसकी तलाशी ली तो उसके पास 18 लाख रुपये नकद मिले। पकड़े गए युवक की पहचान पूर्वी चंपारण के विशुनपुरवा निवासी संजय कुमार गुप्ता (40 वर्ष) के रूप में हुई है। संजय को हिरासत में लेकर जीआरपी थाने लाया गया और रकम कब्जे में ले ली गई। जीआरपी थाना प्रभारी अनुज सिंह ने बरामदगी की सूचना अधिकारियों के साथ ही आयकर विभाग के उपनिदेशक (जांच), यूनिट गोरखपुर को दी। पूछताछ में संजय ने बताया कि बैंक रोड स्थित अग्रसेन तिराहे के पास उसे सतीश उपाध्याय से 18 लाख रुपये मिले थे। वह रकम लेकर बिहार जा रहा था। जांच के दौरान पता चला कि संजय की नेपाल के रक्सौल बॉर्डर क्षेत्र में दुकान है। इसके बाद पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गोरखपुर से उसे रकम किस उद्देश्य से दी गई थी और बिहार में वह इसे किसे देने वाला था। रकम देने वाले सतीश उपाध्याय की भूमिका भी जांच के दायरे में है। हालांकि सतीश के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। आयकर विभाग की टीम पूरे मामले को हवाला नेटवर्क से जोड़कर जांच कर रही है। आयकर विभाग की टीम की पूछताछ में सामने आया है कि पकड़े गए युवक का भाई नेपाल में कारोबार करता है।

बिजली व्यवस्था को सुधरवाने केलिए पूर्व विधायक जितेंद्र सिंह बबलू ने चीफ इंजीनियर से मिले

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।बीकापुर विधानसभा की बदहाल विद्युत व्यवस्था और आम देवतुल्य जनता की विद्युत समस्या को लेकर मंगलवार को पूर्व विधायक जितेन्द्र सिंह "बब्लू ने मुख्य अभियंता से मिलकर सारी समस्याओं से अवगत कराते हुए जल्द से जल्द निराकरण करने के लिए निवेदित

किया।मुख्य अभियंता ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए शीघ्र ही विद्युत व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने का आश्वासन दिया । बता दे जब बीकापुर पुरानी विधान सभा थी तो सायंकालीन बिजली कटौती को यही पूर्व विधायक ने बंद करवाया था तब से अभी तक वही चल रहा था,अब एक महीने से पुनः सायंकालीन बिजली कटौती शुरू हो गई आहे और रात में दर्जनों बार कटती है।

'प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए–जिलाधिकारी'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिलाधिकारी अनुनय झा ने कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई करते हुए आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। जनसुनवाई के दौरान कुल 83 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश संबंधित

अधिकारियों को दिए गए। जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं एवं शिकायतों से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय–सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त कुछ शिकायतों का जिलाधिकारी ने मौके पर ही समाधान कराया तथा शेष शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट मयंक कुंडू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वीसी प्रो. अजीत चतुर्वेदी बोले- महामना का आवास मेरे लिए तीर्थस्थल जैसा

प्रयागराज, (संवाददाता)। जिस घर को महामना पंडित मदन मोहन मालवीय ने बनाया, वहां आना तीर्थस्थल जैसी अनुभूति देता है। यह बात बीएचयू, वाराणसी के कुलपति प्रो. अजीत चतुर्वेदी ने रविवार को प्रयागराज आगमन पर अमर उजाला से बातचीत में कही। वह यहां जॉर्जटाउन स्थित पंडित मदन मोहन मालवीय के पौत्र व बीएचयू के चांसलर रहे स्वर्गीय गिरिधर मालवीय के आवास पर उनकी पत्नी कांता मालवीय और पुत्र व पूर्व डीजीपी मनोज मालवीय से मिलने आए थे। प्रो. चतुर्वेदी ने मनोज मालवीय से बीएचयू की गतिविधियों पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि बीएचयू के संस्थापक व कुलपति रहे पंडित मदन मोहन मालवीय ने प्रयागराज और वाराणसी को बहुत कुछ दिया और दोनों ही शहरों ने भारतीय संस्कृति को परिभाषित किया है। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर प्रो. अजीत चतुर्वेदी बोले कि महामना ने 150 पेज का नोट लिखा था जिसमें उन्होंने जोर दिया था कि विद्यार्थियों को हिंदी की पुस्तकें अधिक पढ़ाई जाएं और प्रतिष्ठित लेखकों की पुस्तकों का अनुवाद भी हिंदी में कराया जाए।

खोजे नहीं मिल रहे छात्र, 25 से ज्यादा कॉलेज मान्यता छोड़ने को तैयार

प्रयागराज, (संवाददाता)। परिषदीय स्कूलों में शिक्षक बनने के लिए डीएलएड कोर्स से ज्यादातर छात्र दूर होते जा रहे हैं। एक भी प्रवेश न होने से गौतमबुद्धनगर, आगरा, उन्नाव, कानपुर समेत अन्य जिलों के 25 से ज्यादा प्राइवेट कॉलेजों ने मान्यता खत्म करने के लिए आवेदन किया है। इस वर्ष प्रदेश में एक लाख से ज्यादा सीटों के खाली रहने का अनुमान है। इसके अलावा कई और कॉलेज हैं जहां पर एक भी छात्र ने प्रवेश नहीं लिया। नए सत्र वर्ष 2026 के आंकड़ों की बात की जाए तो प्रदेश में डीएलएड की कुल 2,39,500 सीटें हैं जिसमें महज 1,70,332 अभ्यर्थियों ने एडमिशन के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें भी 18130 अभ्यर्थियों ने फीस नहीं जमा की जिससे 1,52,202 अभ्यर्थी ही बचे हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।